A Photo Documentation & News of SSVK Fire & Cyclone Disaster Response in Madhubani (Bihar) April-July 2010 Supported by AIDMI Ahmedabad & TAJ PSWTM Mumbai

After Fire Devastation…

After SSVK Relief & Rehab Intervention

SSVK
Disaster Relief Support
to
Families affected during
the fire & cyclonic wind incident
on 6th April 2010
This bag contains:
1. Utensils kit
2. Clothes Kit
3. Steel bucket, Lantern, Mat
4. Livelihood Kit
Other items like : One Chowki per family, Additional Livelihood support and Grain bank are being set up as required
Sponsored by : Taj Public Service Welfare Trust, Mumbai (A TATA Enterprise)
Organised By : Samajik Shaikshanik Vikas Kendra (SSVK) Patna

Disaster Relief Support
to
Families affected during
the fire & cyclonic wind incident
on 6th April 2010

TPSWTM/SSVK-18

SSVK

SSVK

TPSWTM/SSVK-23

SSVK

T.P.S.W.T.M/SSVK-

SSVK

NEWS CLIPS

अग्निपीड़ितों को राहत सामग्री

अग्निपीड़ितों को भोजन कराते संस्था के सदस्य •हिन्दुस्तान

झंझारपुर। मधेपुर प्रखंड के डारह एवं बेहरा गांव में सामाजिक शैक्षणिक विकास केंद्र, पथराही के तत्वावधान में गत आठ अप्रैल से ही अग्निपीड़ितों के लिए दोनों शाम भंडारा चलाया जा रहा है। दोनो गांव में कैम्प लगाकर पका पकाया भोजना पीड़ितों को खिलाया जाता है। वह भी दाल भात व सब्जी। एसएसभी के दीपक भारती ने इस आशय की जानकारी देकर बताया कि अग्निपीड़ितों की सहायता करने के लिए आगे भी कई कार्यक्रम चलाया जायेगा।

जारी है राहत वितरण

झंझारपुर। अनुमंडल के मधेपुर प्रखंड के बेहरा और डारह गांव के अग्निपीड़ितों की सहायता के लिए सरकारी तंत्र के अलावा विभिन्न स्वयंसेवी संगठन निरंतर काम कर रही है। सामाजिक शैक्षणिक विकास केंद्र एवं लोक शक्ति संगठन बलभद्रपुर के तत्वावधान में कैम्प लगा कर दोनों शाम पका पकाया भोजन अग्निपीड़ितों को परोसे जा रहे हैं। एसएसभी के सचिव दीपक भारती एवं अध्यक्ष सूर्य नारायण सहाय कहते है कि यह कैम्प अगले 7-8 दिनों तक लगा रहेगा। चार चापाकल भी गाड़ गये हैं।

मुजफ्फरपुर, शनिवार, 17 जुलाई, 2010 हिन्दुस्तान 5

अग्निपीड़ितों के बीच बंटी राहत सामग्री

राहत पैकेट के साथ बेहरा के अग्निपीड़ित •हिन्दुस्तान

मधेपुर के बेहरा गांव के अग्निपीड़ितो को दी गयी राहत सामग्री

एक प्रतिनिधि
मधेपुर

मधेपुर प्रखंड के बेहरा गांव के अग्निपीड़ित परिवारों के बीच स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा राहत एवं सहाय कार्य अब भी जारी है। लोक शक्ति संगठन एवं सामाजिक शैक्षणिक विकासकेन्द्र बलभद्रपुर (झंझारपुर) के तत्वावधान में टीपीएस डब्ल्यूटीएम के सौजन्य से बेहरा गांव के 307 परिवारों के बीच राहत शिविर लगाकर वितरण किया गया।

प्रति कीट में 16 कपड़े का एवं 16 बर्तन का पारिवारिक सेट प्रति परिवार को दिया गया है। इसके अलावा प्रति परिवार को चौकी, छाता, लालटेन, चटाई सहित अन्य सामान दिये गये हैं। कुछ परिवारों को साईकिल, रिक्शा, सिलाई मशीन भी प्रदान की गयी है। राहत का वितरण संस्था के सचिव दीपक भारती के हाथों किया गया। सचिव श्री भारती ने बताया कि अप्रैल 2010 में बेहरा गांव में लगी आग में सैकड़ों परिवारों का घर जल गया था। उन्होंने बतायाकि प्राकृतिक आपदा में हुई क्षति की पूर्ण भरपाई संभव नहीं है। फिर भी बेहरा में राहत कार्य चलाया जायगा।उन्होंने बताया कि बेहरा में दस परिवारों के एक कमिटी पर ग्रेन बैंक (अनाज बैंक) भी संस्था द्वारा स्थापित किया गया है जिसके तहत एक कमिटी में दो कोठी एवं चार क्विंटल अनाज दिया गया है। कुल 60 कोठी एवं 123 क्विंटल अनाज देकर ग्रेन बैंक स्थापित किया गया है। वितरण के मौके पर भोला सिंह, व्यासजी, सूर्यनारायण सदाय, अली हसन सहित अन्य लोग मौजूद थे। झंझारपुर सं.सू. के अनुसार अंचलाधिकारी प्रभाष नारायण लाभ द्वारा सुखेत पंचायत के चार अग्निपीड़ितों को नगर राहत राशि दी गयी। गोधनपुर के बासदेव मुखिया, राघवेन्द्र मंडल, सुखेत के जोगिन्दर साफी एवं मच्छछी के कुशेश्वर राय को प्रति 2250 रुपये दिया गया। मुखिया पीताम्बर राय ने बताया कि उक्त लोगों का घर बीते माह अग्निदेव की भेंट चढ़ गयी थी।

मुजफ्फरपुर, 17 जुलाई, 2010 दैनिक जागरण

बेहरा के अग्नि पीड़ितों के बीच हुआ राहत का वितरण

झंझारपुर (मधुबनी), निज प्रतिनिधि : अप्रैल माह में अग्निकांड से तबाह हुए मधेपुर प्रखंड के बेहरा गांव में 307 अग्निपीड़ितों के बीच सामाजिक शैक्षणिक विकास केन्द्र बलभद्रपुर द्वारा राहत सामग्री का वितरण शुक्रवार को बलभद्रपुर संस्था कार्यालय पर टीपीएसडब्ल्यू के सहयोग से किया गया। अग्निपीड़ितों के बीच 16 वर्तन का रसोई सेट, 16 कपड़ा सेट, प्रति परिवार एक चौकी, छाता, लालटेन, चटाई, सिलाई मशीन, साइकिल एवं दवा भी बांटे गए। संस्था के सचिव दीपक भारती द्वारा पीड़ितों को सामूहिक रूप से दो नाव भी दिए गए हैं।

संस्था द्वारा गांव में प्रति 10 परिवार पर एक कमेटी का गठन भी किया गया जो अनाज बैंक को संभालेगा। अनाज बैंक में संस्था की ओर से प्रति कमेटी दो कोठी एवं चार क्विंटल चावल दिया गया है। कुल 30 कमेटी गठित की गई हैं। कमेटी के सदस्य आवश्यकता पड़ने पर कमेटी से उधार में अनाज ले सकेंगे एवं पुनः जमा करेंगे। इस अवसर पर संस्था के सचिव ने बताया कि अनाज बैंक की स्थापना के बाद पीड़ितों को अनाज के लिए भटकना नहीं पड़ेगा और आपात स्थिति में वे इसका उपयोग कर सकेंगे।